नई दिल्ली,
नवम्बर 10, 2017

बाल अधिकार मेला

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) 14 नवंबर को मध्य प्रदेश के गंज बसौदा के संजय गांधी स्मृति कॉलेज में एक विशाल बाल अधिकार मेले का आयोजन कर रहा है । इस दिन बच्चों को उनके अधिकारों से रूबरू कराने के लिए अपनी तरह का यह पहला बाल अधिकार मेला है जिसमें 5000 स्कूली बच्चों के साथ अन्य हजारो लोगों के हिस्सा लेने की सम्भावना हैं। यह मेला एक आम फन फेयर का ही एक विशाल स्वरूप है जिसमें एनसीपीसीआर के अतिरिक्त राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और विदिशा जिला प्रशासन और देश के ख्यातिलत एनजीओ भी अपनी अहम भूमिका अदा कर रहें है।

इस बाल मेले का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में बाल अधिकारों को मुखर करना है जहां पर ज्ञान के अभाव में लोग इनसे अंजान हैं। जिसके चलते ज्यादातर बच्चों का न तो विकास हो पाता है और न ही वह समाज के विकास में अपनी सहभागिता निभा पाते है। इन्ही अधिकारों से पूरे क्षेत्र के लोगों को अवगत करवाने के लिए इस मेले की रूपरेखा खींची गई है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो ने कहा, बच्चों के प्रति समाज की सोंच बदलने की जरूरत है लोगों को दूसरें बच्चों के प्रति भी उतना ही सवेदनशील होगा चाहिए, जितना वो अपनें बच्चों के प्रति लेकर होते हैं | एनसीपीआर अपनी प्रदशनी के जरिए लोगो तक सवैधानिक बाल अधिकरो से संबंधित जरूरी जानकारी पहुचायेगा| इस प्रदशनी में शिक्षा और पॉक्सो डिविजन अपने स्टाल्स के जरिए लोगों तक बाल अधिकारों से संबंधित अमह जानकारी लोगों तक पंहुचाएगा, एनसीपीआर ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बड़े प्रयोग किये है जिससे सरकारी स्चूलो में क्वालिटी एजुकेशन पर तो फोकस हो ही रहा है साथ ही बाहर की दुनिया भी दिखने के लिए प्रयोग किये जा रहें है | इस मेले मैं अलग-अलग स्पर्धा करवाए जायेंगे | इस बाल मेले में खेल स्पर्धा, कला और संस्कृति स्पर्धा, नाट्य कला व नृत्य जैसी गतिविधिय होगीं| इसमें बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलगा | इसका मकसद यही है की चिल्ड्रन फेस्टिवल में ज्यादा से ज्यादा बच्चों की भागीदारी हो |

# #